अ Antara
WITHIN • BETWEEN • BEYOND

Vishnu1000

श्रीविष्णुसहस्रनाम

Self-Study & Contemplation

श्रीविष्णुसहस्रनाम नामावली

001 **ॐ विश्वाय नमः** — समस्त सृष्टि

002 **ॐ विष्णवे नमः** — सर्वव्यापक

003 **ॐ वषट्काराय नमः** — यज्ञ स्वरूप

004 **ॐ भूत-भव्य-भवत्-प्रभवे नमः** — त्रिकालस्वामी

005 **ॐ भूतकृते नमः** — सृष्टिकर्ता

006 **ॐ भूतभृते नमः** — पोषणकर्ता

007 **ॐ भावाय नमः** — परम अस्तित्व

008 **ॐ भूतात्मने नमः** — प्राणियों की आत्मा

009 **ॐ भूतभावनाय नमः** — जीवनदाता

010 **ॐ पूतात्मने नमः** — पवित्र आत्मा

011 **ॐ परमात्मने नमः** — परमेश्वर

012 **ॐ मुक्तानां परमा गतये नमः** — मुक्तों का परम आश्रय

013 **ॐ अव्ययाय नमः** — अविनाशी

014 **ॐ पुरुषाय नमः** — परम पुरुष

015 **ॐ साक्षिणे नमः** — सर्वसाक्षी

016 **ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः** — अन्तर्यामी

017 **ॐ अक्षराय नमः** — अक्षर पुरुष

018 **ॐ योगाय नमः** — योग स्वरूप

019 **ॐ योगविदां नेत्रे नमः** — योगियों के मार्गदर्शक

020 **ॐ प्रधानपुरुषेश्वराय नमः** — प्रकृति और पुरुष के स्वामी

श्रीविष्णुसहस्रनाम नामावली

०२१ **ॐ नारसिंहवपवे नमः** — नृसिंह स्वरूप

०२२ **ॐ श्रीमते नमः** — लक्ष्मीपति

०२३ **ॐ केशवाय नमः** — मधुसूदन

०२४ **ॐ पुरुषोत्तमाय नमः** — सर्वश्रेष्ठ पुरुष

०२५ **ॐ सर्वाय नमः** — सब कुछ

०२६ **ॐ शर्वाय नमः** — विनाशक

०२७ **ॐ शिवाय नमः** — कल्याणकारी

०२८ **ॐ स्थाणवे नमः** — स्थिर सत्य

०२९ **ॐ भूतादये नमः** — सृष्टि का मूल कारण

०३० **ॐ निधिरव्ययाय नमः** — अक्षय निधि

०३१ **ॐ सम्भवाय नमः** — स्वयं प्रकट होने वाले

०३२ **ॐ भावनाय नमः** — कल्याणकर्ता

०३३ **ॐ भर्त्रे नमः** — स्वामी

०३४ **ॐ प्रभवाय नमः** — उत्पत्ति स्थान

०३५ **ॐ प्रभवे नमः** — सर्वसमर्थ

०३६ **ॐ ईश्वराय नमः** — परम नियन्ता

०३७ **ॐ स्वयम्भुवे नमः** — स्वयंभू

०३८ **ॐ शम्भवे नमः** — सुखदाता

०३९ **ॐ आदित्याय नमः** — सूर्य स्वरूप

०४० **ॐ पुष्कराक्षाय नमः** — कमल नयन

०४१ **ॐ महास्वनाय नमः** — दिव्य शंखनाद

०४२ **ॐ अनादिनिधनाय नमः** — जन्म-मरण से परे

०४३ **ॐ धात्रे नमः** — सृष्टि धारक

०४४ **ॐ विधात्रे नमः** — भाग्य विधाता

०४५ **ॐ धातुरुत्तमाय नमः** — सर्वश्रेष्ठ तत्व

०४६ **ॐ अप्रमेयाय नमः** — बुद्धि से परे

०४७ **ॐ हृषीकेशाय नमः** — इन्द्रियों के स्वामी

०४८ **ॐ पद्मनाभाय नमः** — कमल नाभि

०४९ **ॐ अमरप्रभवे नमः** — देवताओं के स्वामी

०५० **ॐ विश्वकर्मने नमः** — विश्व के वास्तुकार

०५१ **ॐ मनवे नमः** — परम विचारक

०५२ **ॐ त्वष्ट्रे नमः** — रूप देने वाले

०५३ **ॐ स्थविष्ठाय नमः** — विशालतम

०५४ **ॐ स्थविरो ध्रुवाय नमः** — प्राचीन और अचल

०५५ **ॐ अग्राह्याय नमः** — इन्द्रिय अगोचर

०५६ **ॐ शाश्वताय नमः** — नित्य सत्य

०५७ **ॐ कृष्णाय नमः** — आनंद स्वरूप

०५८ **ॐ लोहिताक्षाय नमः** — रक्त नयन

०५९ **ॐ प्रतर्दनाय नमः** — विनाशक

०६० **ॐ प्रभूताय नमः** — परम समृद्ध

०६१ **ॐ त्रिककुब्धाम नमः** — तीनों लोकों का धाम

०६२ **ॐ पवित्राय नमः** — परम पावन

०६३ **ॐ मंगलं पराय नमः** — परम मंगल

०६४ **ॐ ईशानाय नमः** — शासक

०६५ **ॐ प्राणदाय नमः** — प्राणदाता

०६६ **ॐ प्राणाय नमः** — प्राण स्वरूप

०६७ **ॐ ज्येष्ठाय नमः** — सबसे प्राचीन

०६८ **ॐ श्रेष्ठाय नमः** — सर्वश्रेष्ठ

०६९ **ॐ प्रजापतये नमः** — प्रजा के स्वामी

०७० **ॐ हिरण्यगर्भाय नमः** — ब्रह्मांड के गर्भ

०७१ **ॐ भूगर्भाय नमः** — पृथ्वी को धारण करने वाले

०७२ **ॐ माधवाय नमः** — लक्ष्मीपति

०७३ **ॐ मधुसूदनाय नमः** — मधु राक्षस के विनाशक

०७४ **ॐ ईश्वराय नमः** — परम नियन्ता

०७५ **ॐ विक्रमिणे नमः** — शौर्यवान

०७६ **ॐ धन्विने नमः** — धनुषधारी

०७७ **ॐ मेधाविने नमः** — परम बुद्धिमान

०७८ **ॐ विक्रमाय नमः** — पराक्रमी

०७९ **ॐ क्रमाय नमः** — क्रमिक विकास के आधार

०८० **ॐ अनुत्तमाय नमः** — जिससे श्रेष्ठ कोई नहीं

०८१ **ॐ दुराधर्षाय नमः** — अजेय

०८२ **ॐ कृतज्ञाय नमः** — कृतज्ञ

०८३ **ॐ कृतये नमः** — कर्म स्वरूप

०८४ **ॐ आत्मवते नमः** — स्वयं में प्रतिष्ठित

०८५ **ॐ सुरेशाय नमः** — देवराज

०८६ **ॐ शरणाय नमः** — परम आश्रय

०८७ **ॐ शर्म नमः** — परम सुख

०८८ **ॐ विश्वरेत्रे नमः** — विश्व के बीज

०८९ **ॐ प्रजाभवाय नमः** — प्रजा के उत्पत्ति स्थान

०९० **ॐ अहाय नमः** — प्रकाश स्वरूप

०९१ **ॐ संवत्सराय नमः** — काल स्वरूप

०९२ **ॐ व्यालाय नमः** — अगोचर

०९३ **ॐ प्रत्ययाय नमः** — चेतना स्वरूप

०९४ **ॐ सर्वदर्शनाय नमः** — सब कुछ देखने वाले

०९५ **ॐ अजाय नमः** — अजन्मा

०९६ **ॐ सर्वेश्वराय नमः** — सबके ईश्वर

०९७ **ॐ सिद्धाय नमः** — परम सिद्ध

०९८ **ॐ सिद्धये नमः** — सफलता स्वरूप

०९९ **ॐ सर्वादिरच्युताय नमः** — सबके आदि

१०० **ॐ वृषाकपये नमः** — च्युत न होने वाले

१०१ **ॐ अमेयात्मने नमः** – धर्म रक्षक व उद्धारक

१०२ **ॐ सर्वयोगविनिःसृताय नमः** – असीम बुद्धि वाले

१०३ **ॐ वसवे नमः** – योग बंधनों से परे

१०४ **ॐ वसुमनने नमः** – सर्वनिवास

१०५ **ॐ सत्याय नमः** – उदार मन वाले

१०६ **ॐ समात्मने नमः** – परम सत्य

१०७ **ॐ सम्मिताय नमः** – समदर्शी

१०८ **ॐ समाय नमः** – सर्वसिद्ध

१०९ **ॐ अमोघाय नमः** – पक्षपात रहित

११० **ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः** – अमोघ फलदाता

१११ **ॐ वृषकर्मने नमः** – कमल नयन

११२ **ॐ वृषाकृतये नमः** – धर्म रूपी कर्म करने वाले

११३ **ॐ रुद्राय नमः** – धर्म स्वरूप आकृति

११४ **ॐ बहुशिरने नमः** – दुःख दूर करने वाले

११५ **ॐ बभ्रवे नमः** – अनेक शीश वाले

११६ **ॐ विश्वयोनये नमः** – विश्व के पोषणकर्ता

११७ **ॐ शुचिश्रवने नमः** – विश्व का कारण

११८ **ॐ अमृताय नमः** – पवित्र कीर्ति वाले

११९ **ॐ शाश्वतस्थाणवे नमः** – अमर स्वरूप

१२० **ॐ वरारोहाय नमः** – नित्य और स्थिर

१२१ **ॐ महातपने नमः** — परम उत्तम आश्रय

१२२ **ॐ सर्वगाय नमः** — परम तपस्वी

१२३ **ॐ सर्वविद्भानवे नमः** — सर्वव्यापी

१२४ **ॐ विश्वक्सेनाय नमः** — सर्वज्ञ प्रकाशक

१२५ **ॐ जनार्दनाय नमः** — जिसके सामने सेना टिक न सके

१२६ **ॐ वेदाय नमः** — दुष्टों को दण्ड देने वाले

१२७ **ॐ वेदविद् नमः** — ज्ञान स्वरूप

१२८ **ॐ अव्यंगाय नमः** — वेदों के ज्ञाता

१२९ **ॐ वेदांगाय नमः** — दोषरहित

१३० **ॐ वेदविते नमः** — वेदांग स्वरूप

१३१ **ॐ कवये नमः** — वेदों के ज्ञाता

१३२ **ॐ लोकाध्यक्षाय नमः** — क्रान्तदर्शी

१३३ **ॐ सुराध्यक्षाय नमः** — लोकों के अध्यक्ष

१३४ **ॐ धर्माध्यक्षाय नमः** — देवताओं के अध्यक्ष

१३५ **ॐ कृताकृताय नमः** — धर्म के अध्यक्ष

१३६ **ॐ चतुरात्मने नमः** — कार्य-कारण से परे

१३७ **ॐ चतुर्व्यूहाय नमः** — चार रूपों वाले

१३८ **ॐ चतुर्दंष्ट्राय नमः** — चार व्यूहों वाले

१३९ **ॐ चतुर्भुजाय नमः** — चार दंष्ट्रों वाले

१४० **ॐ भ्राजिष्णवे नमः** — चतुर्भुजधारी

१४१ **ॐ भोजनाय नमः** — प्रकाशमान

१४२ **ॐ भोक्त्रे नमः** — प्रकृति का भोग्य रूप

१४३ **ॐ सहिष्णवे नमः** — भोक्ता

१४४ **ॐ जगदादिजाय नमः** — क्षमाशील

१४५ **ॐ अनघाय नमः** — ब्रह्मांड के आदि पुरुष

१४६ **ॐ विजयाय नमः** — पापरहित

१४७ **ॐ जेत्रे नमः** — विजय स्वरूप

१४८ **ॐ विश्वयोनये नमः** — सर्वविजेता

१४९ **ॐ पुनर्वसवे नमः** — विश्व का कारण

१५० **ॐ उपेन्द्राय नमः** — पुनः निवास देने वाले

१५१ **ॐ वामनाय नमः** — इन्द्र के भ्राता

१५२ **ॐ प्रांशवे नमः** — वामन अवतार

१५३ **ॐ अमोघाय नमः** — विशालकाय

१५४ **ॐ शुचये नमः** — अमोघ फलदाता

१५५ **ॐ ऊर्जितशासनाय नमः** — परम पवित्र

१५६ **ॐ अतीन्द्राय नमः** — अति बलशाली

१५७ **ॐ संग्रहाय नमः** — इन्द्र से परे

१५८ **ॐ सर्गाय नमः** — सबको समेटने वाले

१५९ **ॐ धृतात्मने नमः** — सृष्टि रूप

१६० **ॐ नियमाय नमः** — स्वयं को धारण करने वाले

१६१ **ॐ यमाय नमः** — नियन्त्रक

१६२ **ॐ वेद्याय नमः** — शासक

१६३ **ॐ वैद्याय नमः** — जानने योग्य

१६४ **ॐ सदायोगिने नमः** — परम चिकित्सक

१६५ **ॐ वीरहने नमः** — नित्य योगी

१६६ **ॐ माधवाय नमः** — दुष्टों के विनाशक

१६७ **ॐ मधवे नमः** — लक्ष्मीपति

१६८ **ॐ अतीन्द्रियाय नमः** — मधुर स्वरूप

१६९ **ॐ महामयाय नमः** — इन्द्रियों से परे

१७० **ॐ महोत्साहाय नमः** — महामायावी

१७१ **ॐ महाबलाय नमः** — परम उत्साही

१७२ **ॐ महाबुद्धये नमः** — महान बलशाली

१७३ **ॐ महावीर्याय नमः** — परम बुद्धिमान

१७४ **ॐ महाशक्तये नमः** — परम पराक्रमी

१७५ **ॐ महाद्युतये नमः** — परम शक्तिमान

१७६ **ॐ अनिर्देश्यवपवे नमः** — परम तेजस्वी

१७७ **ॐ श्रीमते नमः** — अवर्णनीय रूप

१७८ **ॐ अमेयात्मने नमः** — लक्ष्मीपति

१७९ **ॐ महाद्रिधृक् नमः** — असीम बुद्धि वाले

१८० **ॐ महेष्वासाय नमः** — गोवर्धनधारी

१८१ **ॐ महीभर्त्रे नमः** — महान धनुर्धारी

१८२ **ॐ श्रीनिवासाय नमः** — पृथ्वी के स्वामी

१८३ **ॐ सतां गतये नमः** — लक्ष्मी के वास

१८४ **ॐ अनिरुद्धाय नमः** — सज्जनों की गति

१८५ **ॐ सुरानन्दाय नमः** — अजेय

१८६ **ॐ गोविन्दाय नमः** — देवताओं को आनंद देने वाले

१८७ **ॐ गोविदां पतये नमः** — गौ और वेदों के ज्ञाता

१८८ **ॐ मरीचये नमः** — ज्ञानियों के स्वामी

१८९ **ॐ दमनाय नमः** — तेज स्वरूप

१९० **ॐ हंसाय नमः** — दमन करने वाले

१९१ **ॐ सुपर्णाय नमः** — हंस स्वरूप

१९२ **ॐ भुजगोत्तमाय नमः** — सुन्दर पंखों वाले

१९३ **ॐ हिरण्यनाभाय नमः** — शेषनाग स्वरूप

१९४ **ॐ सुतपने नमः** — स्वर्ण नाभि वाले

१९५ **ॐ पद्मनाभाय नमः** — महान तपस्वी

१९६ **ॐ प्रजापतये नमः** — कमल नाभि

१९७ **ॐ अमृत्यवे नमः** — प्रजा के स्वामी

१९८ **ॐ सर्वदृक् नमः** — मृत्युहीन

१९९ **ॐ सिंहाय नमः** — सब देखने वाले

२०० **ॐ सन्धात्रे नमः** — सिंह स्वरूप

२०१ **ॐ सन्धिमते नमः** — जोड़ने वाले

२०२ **ॐ स्थिराय नमः** — जुड़े रहने वाले

२०३ **ॐ अजाय नमः** — अचल सत्य

२०४ **ॐ दुर्मर्षणाय नमः** — अजन्मा

२०५ **ॐ शास्त्रे नमः** — असह्य वेग वाले

२०६ **ॐ विश्रुतात्मने नमः** — शासक व शिक्षक

२०७ **ॐ सुरारिहने नमः** — विख्यात आत्मा

२०८ **ॐ गुरवे नमः** — देवताओं के शत्रुओं के विनाशक

२०९ **ॐ गुरुतमाय नमः** — परम गुरु

२१० **ॐ धाम नमः** — गुरुओं के गुरु

२११ **ॐ सत्याय नमः** — परम प्रकाश धाम

२१२ **ॐ सत्यपराक्रमाय नमः** — परम सत्य

२१३ **ॐ निमिषाय नमः** — सत्य पराक्रम वाले

२१४ **ॐ अनिमिषाय नमः** — योग निद्रा में लीन

२१५ **ॐ स्रग्विणे नमः** — सदा जाग्रत

२१६ **ॐ वाचस्पतिरुदारधिये नमः** — वैजयंती माला धारी

२१७ **ॐ अग्रण्ये नमः** — वाणी और विशाल बुद्धि के स्वामी

२१८ **ॐ ग्रामण्ये नमः** — मार्गदर्शक

२१९ **ॐ श्रीमते नमः** — समूह के स्वामी

२२० **ॐ न्यायाय नमः** — लक्ष्मीपति

२२१ **ॐ नेत्रे नमः** — न्याय स्वरूप

२२२ **ॐ समीरणाय नमः** — सृष्टि संचालक

२२३ **ॐ सहस्रमूर्धने नमः** — वायु रूप संचालक

२२४ **ॐ विश्वात्मने नमः** — सहस्र शीश वाले

२२५ **ॐ सहस्राक्षाय नमः** — विश्व की आत्मा

२२६ **ॐ सहस्रपाद् नमः** — सहस्र नेत्र वाले

२२७ **ॐ आवर्तनाय नमः** — सहस्र चरण वाले

२२८ **ॐ निवृत्तात्मने नमः** — संसार चक्र के संचालक

२२९ **ॐ संवृताय नमः** — सांसारिक बंधनों से मुक्त

२३० **ॐ सम्प्रमर्दनाय नमः** — अगोचर सत्य

२३१ **ॐ अहः संवर्तकाय नमः** — विनाशक

२३२ **ॐ वह्नये नमः** — काल नियामक

२३३ **ॐ अनिलाय नमः** — अग्नि स्वरूप

२३४ **ॐ धरणीधराय नमः** — वायु स्वरूप

२३५ **ॐ सुप्रसादाय नमः** — पृथ्वी धारक

२३६ **ॐ प्रसन्नात्मने नमः** — परम कृपालु

२३७ **ॐ विश्वधृक् नमः** — सदा प्रसन्न चित्त

२३८ **ॐ विश्वभुक् नमः** — विश्व रक्षक

२३९ **ॐ विभवे नमः** — विश्व उपभोक्ता

२४० **ॐ सत्कर्त्रे नमः** — सर्वव्यापी स्वामी

२४१ **ॐ सत्कृताय नमः** — सज्जनों का सत्कार करने वाले

२४२ **ॐ साधवे नमः** — पूजनीय

२४३ **ॐ जह्नवे नमः** — सरल व न्यायप्रिय

२४४ **ॐ नारायणाय नमः** — प्रलयकर्ता

२४५ **ॐ नराय नमः** — परम आश्रय

२४६ **ॐ असंख्येयाय नमः** — अविनाशी मार्गदर्शक

२४७ **ॐ अप्रमेयात्मने नमः** — अनंत रूप वाले

२४८ **ॐ विशिष्टाय नमः** — बुद्धि से परे

२४९ **ॐ शिष्टकृते नमः** — सर्वश्रेष्ठ

२५० **ॐ शुचये नमः** — सदाचार के प्रवर्तक

२५१ **ॐ सिद्धार्थाय नमः** — परम पवित्र

२५२ **ॐ सिद्धसंकल्पाय नमः** — पूर्ण काम

२५३ **ॐ सिद्धिदाय नमः** — सत्य संकल्प वाले

२५४ **ॐ सिद्धिसाधनाय नमः** — सिद्धिदाता

२५५ **ॐ वृषाहिणे नमः** — सिद्धि के साधन

२५६ **ॐ वृषभाय नमः** — धर्म स्वरूप प्रकाश

२५७ **ॐ विष्णवे नमः** — धर्म स्वरूप

२५८ **ॐ वृषपर्वने नमः** — सर्वव्यापक

२५९ **ॐ वृषोदराय नमः** — धर्म की सीढ़ी

२६० **ॐ वर्धनाय नमः** — जिसके उदर से सृष्टि का उदय हो

२६१ **ॐ वर्धमानाय नमः** — बढ़ाने वाले

२६२ **ॐ विविक्ताय नमः** — सदा वृद्धिशील

२६३ **ॐ श्रुतिसागराय नमः** — परम शुद्ध

२६४ **ॐ सुभुजाय नमः** — श्रुतियों के सागर

२६५ **ॐ दुर्धराय नमः** — सुन्दर भुजाओं वाले

२६६ **ॐ वाग्मिने नमः** — धारण करने में कठिन

२६७ **ॐ महेन्द्राय नमः** — परम वक्ता

२६८ **ॐ वसुदाय नमः** — इन्द्रों के इन्द्र

२६९ **ॐ वसवे नमः** — धनदाता

२७० **ॐ नैकरूपाय नमः** — सर्वनिवास

२७१ **ॐ बृहद्रूपाय नमः** — अनंत रूपों वाले

२७२ **ॐ शिपिविष्टाय नमः** — विशाल रूप वाले

२७३ **ॐ प्रकाशनाय नमः** — किरणों में निवास करने वाले

२७४ **ॐ ओजस्तेजोद्युतिधराय नमः** — सबको प्रकाशित करने वाले

२७५ **ॐ प्रकाशात्मने नमः** — ओज, तेज और द्युति के धारक

२७६ **ॐ प्रतापनाय नमः** — प्रकाश स्वरूप आत्मा

२७७ **ॐ ऋद्धाय नमः** — ब्रह्मांड को तपाने वाले

२७८ **ॐ स्पष्टाक्षराय नमः** — परम समृद्ध

२७९ **ॐ मन्त्राय नमः** — स्पष्ट ओंकार स्वरूप

२८० **ॐ चन्द्रांशवे नमः** — मन्त्र स्वरूप

२८१ **ॐ भास्करद्युतये नमः** — शीतल चन्द्र किरणों वाले

२८२ **ॐ अमृतांशूद्भवाय नमः** — सूर्य के समान तेजस्वी

२८३ **ॐ भानवे नमः** — चन्द्रमा के उत्पत्ति कारण

२८४ **ॐ शशबिन्दवे नमः** — प्रकाशक

२८५ **ॐ सुरेश्वराय नमः** — चन्द्रमा स्वरूप रक्षक

२८६ **ॐ औषधाय नमः** — देवताओं के राजा

२८७ **ॐ जगतः सेतवे नमः** — भवसागर की औषधि

२८८ **ॐ सत्यधर्मपराक्रमाय नमः** — संसार का पुल

२८९ **ॐ भूतभव्यभवन्नाथाय नमः** — सत्य धर्म और पराक्रम वाले

२९० **ॐ पवनाय नमः** — त्रिकाल के स्वामी

२९१ **ॐ पावनाय नमः** — वायु स्वरूप वायु

२९२ **ॐ अनलाय नमः** — पवित्र करने वाले

२९३ **ॐ कामहने नमः** — अग्नि स्वरूप अग्नि

२९४ **ॐ कामकृते नमः** — कामनाओं के नाशक

२९५ **ॐ कान्ताय नमः** — कामनाओं को पूर्ण करने वाले

२९६ **ॐ कामाय नमः** — परम सुन्दर

२९७ **ॐ कामप्रदाय नमः** — कामना योग्य

२९८ **ॐ प्रभवे नमः** — इच्छा पूर्ण करने वाले

२९९ **ॐ युगादिकृते नमः** — सर्वसमर्थ

३०० **ॐ युगावर्ताय नमः** — युग प्रवर्तक

३०१ **ॐ नैकमायाय नमः** — युगों को बदलने वाले

३०२ **ॐ महाशनाय नमः** — अनेक माया वाले

३०३ **ॐ अदृश्याय नमः** — महाभोक्ता

३०४ **ॐ व्यक्तरूपाय नमः** — अदृश्य

३०५ **ॐ सहस्रजिते नमः** — स्पष्ट व्यक्त रूप वाले

३०६ **ॐ अनन्तजिते नमः** — सहस्रों को जीतने वाले

३०७ **ॐ इष्टाय नमः** — अनंत को जीतने वाले

३०८ **ॐ अविशिष्टाय नमः** — परम प्रिय

३०९ **ॐ शिष्टेष्टाय नमः** — सबके अंतर्यामी

३१० **ॐ शिखण्डिने नमः** — शिष्ट पुरुषों के प्रिय

३११ **ॐ नहुषाय नमः** — मयूर पंख धारी

३१२ **ॐ वृषाय नमः** — माया से बांधने वाले

३१३ **ॐ क्रोधहने नमः** — धर्म रूप

३१४ **ॐ क्रोधकृते नमः** — क्रोध के विनाशक

३१५ **ॐ कर्त्रे नमः** — दुष्टों पर क्रोध करने वाले

३१६ **ॐ विश्वबाहवे नमः** — विश्वव्यापी भुजाओं वाले

३१७ **ॐ महीधराय नमः** — पृथ्वी को धारण करने वाले

३१८ **ॐ अच्युताय नमः** — च्युत न होने वाले

३१९ **ॐ प्रथिताय नमः** — अति प्रसिद्ध

३२० **ॐ प्राणाय नमः** — प्राण स्वरूप

३२१ **ॐ प्राणदाय नमः** — प्राणदाता

३२२ **ॐ वासवानुजाय नमः** — इन्द्र के छोटे भाई

३२३ **ॐ अपां निधये नमः** — समुद्र स्वरूप

३२४ **ॐ अधिष्ठानाय नमः** — सृष्टि के आधार

३२५ **ॐ अप्रमत्ताय नमः** — सदा सावधान

३२६ **ॐ प्रतिष्ठिताय नमः** — स्वयं में स्थित

३२७ **ॐ स्कन्दाय नमः** — अमृत रूप प्रवाह

३२८ **ॐ स्कन्दधराय नमः** — सृष्टि का भार उठाने वाले

३२९ **ॐ धुर्याय नमः** — सृष्टि का भार उठाने वाले

३३० **ॐ वरदाय नमः** — वरदान देने वाले

३३१ **ॐ वायुवाहनाय नमः** — वायु को चलाने वाले

३३२ **ॐ वासुदेवाय नमः** — सर्वव्यापी प्रभु

३३३ **ॐ बृहद्भानवे नमः** — महान तेजस्वी

३३४ **ॐ आदिदेवाय नमः** — प्रथम देव

३३५ **ॐ पुरन्दराय नमः** — दुष्टों के नगरों के विनाशक

३३६ **ॐ अशोकाय नमः** — शोकरहित

३३७ **ॐ तारणाय नमः** — तारने वाले

३३८ **ॐ ताराय नमः** — तारक मन्त्र

३३९ **ॐ शूराय नमः** — वीर

३४० **ॐ शौरये नमः** — शूरवंशज

३४१ **ॐ जनेश्वराय नमः** — मनुष्यों के स्वामी

३४२ **ॐ अनुकूलाय नमः** — भक्तों के हितैषी

३४३ **ॐ शतावर्ताय नमः** — अनेक रूपों में प्रकट होने वाले

३४४ **ॐ पद्मिने नमः** — कमलधारी

३४५ **ॐ पद्मनिभेक्षणाय नमः** — कमल नयन

३४६ **ॐ पद्मनाभाय नमः** — कमल नाभि

३४७ **ॐ अरविन्दाक्षाय नमः** — कमल नयन

३४८ **ॐ पद्मगर्भाय नमः** — कमल के गर्भ में स्थित

३४९ **ॐ शरीरभृते नमः** — शरीर के पोषणकर्ता

३५० **ॐ महर्धये नमः** — परम वैभवशाली

३५१ **ॐ ऋद्धाय नमः** — परम समृद्ध

३५२ **ॐ वृद्धात्मने नमः** — अति प्राचीन आत्मा

३५३ **ॐ महाक्षाय नमः** — विशाल नेत्र वाले

३५४ **ॐ गरुडध्वजाय नमः** — गरुड़ ध्वज धारी

३५५ **ॐ अतुलाय नमः** — अतुलनीय

३५६ **ॐ शरभाय नमः** — शरीरों में आत्मा रूप

३५७ **ॐ भीमाय नमः** — भयानक पराक्रम वाले

३५८ **ॐ समयज्ञाय नमः** — समय और मर्यादा के ज्ञाता

३५९ **ॐ हविर्हरये नमः** — यज्ञ भाग ग्रहण करने वाले

३६० **ॐ सर्वलक्षणलक्षण्याय नमः** — समस्त शुभ लक्षणों के आधार

३६१ **ॐ लक्ष्मीवते नमः** — लक्ष्मी के स्वामी

३६२ **ॐ समितिञ्जयाय नमः** — युद्ध विजेता

३६३ **ॐ विक्षराय नमः** — अविनाशी

३६४ **ॐ रोहिताय नमः** — मत्स्य अवतार

३६५ **ॐ मार्गाय नमः** — परम मार्ग

३६६ **ॐ हेतवे नमः** — सृष्टि का कारण

३६७ **ॐ दामोदराय नमः** — उदर पर रस्सी वाले

३६८ **ॐ सहाय नमः** — सहनशील

३६९ **ॐ महीधराय नमः** — पृथ्वी को धारण करने वाले

३७० **ॐ महाभागाय नमः** — परम भाग्यशाली

३७१ **ॐ वेगवते नमः** — अति तीव्र गति वाले

३७२ **ॐ अमिताशनाय नमः** — असीम भोग करने वाले

३७३ **ॐ उद्भवाय नमः** — उत्पत्ति स्थान

३७४ **ॐ क्षोभणाय नमः** — हलचल पैदा करने वाले

३७५ **ॐ देवाय नमः** — क्रीड़ामय दिव्य प्रकाश

३७६ **ॐ श्रीगर्भाय नमः** — लक्ष्मी को गर्भ में रखने वाले

३७७ **ॐ परमेश्वराय नमः** — परम शासक

३७८ **ॐ करणाय नमः** — परम साधन

३७९ **ॐ कारणाय नमः** — मूल कारण

३८० **ॐ कर्त्रे नमः** — सृष्टिकर्ता

३८१ **ॐ विकर्त्रे नमः** — विविध रूपों के कर्ता

३८२ **ॐ गहनाय नमः** — अगाध रहस्य

३८३ **ॐ गुहाय नमः** — हृदय गुहा में स्थित

३८४ **ॐ व्यवसायाय नमः** — निश्चय स्वरूप

३८५ **ॐ व्यवस्थानाय नमः** — व्यवस्थापक

३८६ **ॐ संस्थानाय नमः** — अंतिम लय स्थान

३८७ **ॐ स्थानदाय नमः** — परम पद प्रदाता

३८८ **ॐ ध्रुवाय नमः** — नित्य अचल

३८९ **ॐ परर्द्धये नमः** — परम विभूति

३९० **ॐ परमस्पष्टाय नमः** — परम प्रत्यक्ष

३९१ **ॐ तुष्टाय नमः** — सदा संतुष्ट

३९२ **ॐ पुष्टाय नमः** — पूर्ण समृद्ध

३९३ **ॐ शुभेक्षणाय नमः** — कल्याणकारी दृष्टि वाले

३९४ **ॐ रामाय नमः** — रमणीय आनंद रूप

३९५ **ॐ विरामाय नमः** — परम विश्राम

३९६ **ॐ विरजाय नमः** — मलरहित

३९७ **ॐ मार्गाय नमः** — परम मार्ग

३९८ **ॐ नेयाय नमः** — ज्ञान द्वारा प्राप्य

३९९ **ॐ नयाय नमः** — मार्गदर्शक

४०० **ॐ अनयाय नमः** — जिसका कोई नियन्ता न हो

४०१ **ॐ वीराय नमः** — पराक्रमी

४०२ **ॐ शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः** — शक्तिमानों में श्रेष्ठ

४०३ **ॐ धर्माय नमः** — धर्म स्वरूप

४०४ **ॐ धर्मविदुत्तमाय नमः** — धर्म के सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता

४०५ **ॐ वैकुण्ठाय नमः** — बाधा रहित मार्गदाता

४०६ **ॐ पुरुषाय नमः** — परम पुरुष

४०७ **ॐ प्राणाय नमः** — प्राण स्वरूप

४०८ **ॐ प्राणदाय नमः** — प्राणदाता

४०९ **ॐ प्रणवाय नमः** — ओंकार स्वरूप

४१० **ॐ पृथवे नमः** — विशाल विराट रूप

४११ **ॐ हिरण्यगर्भाय नमः** — ब्रह्मांड के गर्भ

४१२ **ॐ शत्रुघ्नाय नमः** — शत्रुओं के नाशक

४१३ **ॐ व्याप्ताय नमः** — सर्वत्र समाया हुआ

४१४ **ॐ वायवे नमः** — वायु रूप जीवन

४१५ **ॐ अधोक्षजाय नमः** — इन्द्रिय जनित ज्ञान से परे

४१६ **ॐ ऋतवे नमः** — काल चक्र रूप ऋतु

४१७ **ॐ सुदर्शनाय नमः** — सुन्दर दर्शन वाले

४१८ **ॐ कालाय नमः** — काल स्वरूप

४१९ **ॐ परमेष्ठिणे नमः** — हृदय कमल में स्थित

४२० **ॐ परिग्रहाय नमः** — शरणदाताओं के रक्षक

४२१ **ॐ उग्राय नमः** — भयानक रुद्र रूप

४२२ **ॐ संवत्सराय नमः** — काल स्वरूप

४२३ **ॐ दक्षाय नमः** — परम चतुर व कुशल

४२४ **ॐ विश्रामाय नमः** — परम शांति स्थल

४२५ **ॐ विश्वदक्षिणाय नमः** — परम कुशल व दानी

४२६ **ॐ विस्ताराय नमः** — सृष्टि का विस्तार

४२७ **ॐ स्थावरस्थाणवे नमः** — अचल वृक्ष के समान स्थिर

४२८ **ॐ प्रमाणाय नमः** — परम साक्ष्य

४२९ **ॐ बीजमव्ययाय नमः** — अविनाशी बीज

४३० **ॐ अर्थाय नमः** — परम चाहने योग्य

४३१ **ॐ अनर्थाय नमः** — चाहने योग्य वस्तु से परे

४३२ **ॐ महाकोशाय नमः** — पंचकोशों से परे

४३३ **ॐ महाभोगाय नमः** — परम सुख भोग वाले

४३४ **ॐ महाधनाय नमः** — परम धनी

४३५ **ॐ अनिर्विण्णाय नमः** — उदासीनता रहित

४३६ **ॐ स्थविरष्ठाय नमः** — विशालतम सनातन रूप

४३७ **ॐ अभुवे नमः** — जन्म रहित

४३८ **ॐ धर्मयूपाय नमः** — धर्म का आधार स्तम्भ

४३९ **ॐ महामखाय नमः** — महान यज्ञ स्वरूप

४४० **ॐ नक्षत्रनेमये नमः** — नक्षत्र चक्र के केंद्र

४४१ **ॐ नक्षत्रिणे नमः** — तारामंडल के स्वामी

४४२ **ॐ क्षमाय नमः** — परम सहनशील

४४३ **ॐ क्षामाय नमः** — परम शांत स्थिति

४४४ **ॐ समीहनाय नमः** — शुभ चेष्टा वाले

४४५ **ॐ यज्ञाय नमः** — यज्ञ स्वरूप

४४६ **ॐ इज्याय नमः** — पूजनीय प्रभु

४४७ **ॐ महेज्याय नमः** — सर्वोच्च पूजनीय

४४८ **ॐ क्रतवे नमः** — यज्ञ संकल्प

४४९ **ॐ सत्राय नमः** — सज्जनों के रक्षक

४५० **ॐ सतां गतये नमः** — सज्जनों की गति

४५१ **ॐ सर्वदर्शिणे नमः** — सब कुछ देखने वाले

४५२ **ॐ विमुक्तात्मने नमः** — नित्य मुक्त आत्मा

४५३ **ॐ सर्वज्ञाय नमः** — सबके ज्ञाता

४५४ **ॐ ज्ञानमुत्तमाय नमः** — सर्वोच्च ज्ञान

४५५ **ॐ सुव्रताय नमः** — सत्य व्रत वाले

४५६ **ॐ सुमुखाय नमः** — सुन्दर मुख वाले

४५७ **ॐ सूक्ष्माय नमः** — अति सूक्ष्म

४५८ **ॐ सुघोषाय नमः** — मधुर ध्वनि वाले

४५९ **ॐ सुखदाय नमः** — सुखदाता

४६० **ॐ सुहृते नमः** — निःस्वार्थ मित्र

४६१ **ॐ मनोहराय नमः** — मन को हरने वाले

४६२ **ॐ जितक्रोधाय नमः** — क्रोध को जीतने वाले

४६३ **ॐ वीरबाहवे नमः** — वीर भुजाओं वाले

४६४ **ॐ विदारणाय नमः** — अधर्म का विनाश करने वाले

४६५ **ॐ स्वापनाय नमः** — योग निद्रा में सुलाने वाले

४६६ **ॐ स्ववशाय नमः** — परम स्वतन्त्र

४६७ **ॐ व्यापिने नमः** — सर्वव्यापी

४६८ **ॐ नैकात्मने नमः** — अनेक रूपों वाले

४६९ **ॐ नैककर्मकृते नमः** — विविध कर्म करने वाले

४७० **ॐ वत्सराय नमः** — स्नेह के निवास स्थान

४७१ **ॐ वत्सलाय नमः** — भक्त वत्सल

४७२ **ॐ वत्सिने नमः** — भक्तों के पालक

४७३ **ॐ रत्नगर्भाय नमः** — रत्नों को गर्भ में रखने वाले

४७४ **ॐ धनेश्वराय नमः** — धन के स्वामी

४७५ **ॐ धर्मगुप् नमः** — धर्म के रक्षक

४७६ **ॐ धर्मकृते नमः** — धर्म के प्रवर्तक

४७७ **ॐ धर्मिणे नमः** — धर्म के धारक

४७८ **ॐ सते नमः** — सत्य अस्तित्व

४७९ **ॐ असते नमः** — परिवर्तनशील जगत

४८० **ॐ क्षराय नमः** — परिवर्तनशील रूप

४८१ **ॐ अक्षराय नमः** — अविनाशी तत्व

४८२ **ॐ अविज्ञात्रे नमः** — जीव भाव से परे

४८३ **ॐ सहस्रांशवे नमः** — सहस्र किरणों वाले

४८४ **ॐ विधात्रे नमः** — भाग्य विधाता

४८५ **ॐ कृतलक्षणाय नमः** — वेद शास्त्रों के रचयिता

४८६ **ॐ गभस्तिनेमये नमः** — किरण रूप चक्र के केंद्र

४८७ **ॐ सत्त्वस्थाय नमः** — सत्त्व गुण में स्थित

४८८ **ॐ सिंहाय नमः** — सिंह स्वरूप

४८९ **ॐ भूतमहेश्वराय नमः** — प्राणियों के महान ईश्वर

४९० **ॐ आदिदेवाय नमः** — प्रथम देव

४९१ **ॐ महादेवाय नमः** — महान देव

४९२ **ॐ देवेशाय नमः** — देवताओं के स्वामी

४९३ **ॐ देवभृद्गुरवे नमः** — देवताओं के पोषक और गुरु

४९४ **ॐ उत्तराय नमः** — भवसागर से तारने वाले

४९५ **ॐ गोपतये नमः** — पृथ्वी व गौ के स्वामी

४९६ **ॐ गोप्त्रे नमः** — परम रक्षक

४९७ **ॐ ज्ञानगम्याय नमः** — ज्ञान द्वारा प्राप्य

४९८ **ॐ पुरातनाय नमः** — सनातन काल से विद्यमान

४९९ **ॐ शरीरभूतभृते नमः** — पंचमहाभूतों के पोषक

५०० **ॐ भोक्त्रे नमः** — भोक्ता

५०१ **ॐ कपीन्द्राय नमः** – वानर राज

५०२ **ॐ भूरिदक्षिणाय नमः** – महान यज्ञ दान देने वाले

५०३ **ॐ सोमपाय नमः** – यज्ञ रस ग्रहण करने वाले

५०४ **ॐ अमृतपाय नमः** – अमृत के रक्षक व भोक्ता

५०५ **ॐ सोमाय नमः** – चन्द्र देव रूप अमृत

५०६ **ॐ पुरुजिते नमः** – अनेकों को जीतने वाले

५०७ **ॐ पुरुसत्तमाय नमः** – पुरुषों में श्रेष्ठ

५०८ **ॐ विनयाय नमः** – दुष्टों का दमन करने वाले

५०९ **ॐ जयाय नमः** – सर्वविजेता

५१० **ॐ सत्यसन्धाय नमः** – सत्य प्रतिज्ञा वाले

५११ **ॐ दाशार्हाय नमः** – यदुवंशी आराधना योग्य

५१२ **ॐ सात्वतांपतये नमः** – यादवों के स्वामी

५१३ **ॐ जीवाय नमः** – प्राण रूप चेतना

५१४ **ॐ विनयिता साक्षिणे नमः** – विनय भाव के साक्षी

५१५ **ॐ मुकुन्दाय नमः** – मुक्तिदाता

५१६ **ॐ अमितविक्रमाय नमः** – असीम पराक्रमी

५१७ **ॐ अम्भोनिधये नमः** – समुद्र स्वरूप

५१८ **ॐ अनन्तात्मने नमः** – अनंत रूपों वाली आत्मा

५१९ **ॐ महोदधिशयाय नमः** – क्षीरसागर शयन करने वाले

५२० **ॐ अन्तकाय नमः** – प्रलयकर्ता

५२१ **ॐ अजाय नमः** — अजन्मा

५२२ **ॐ महार्हाय नमः** — परम पूजनीय

५२३ **ॐ स्वाभाव्याय नमः** — स्वयं सिद्ध सत्य

५२४ **ॐ जितामित्राय नमः** — शत्रुओं को जीतने वाले

५२५ **ॐ प्रमोदनाय नमः** — आनंद देने वाले

५२६ **ॐ आनन्दाय नमः** — आनंद स्वरूप

५२७ **ॐ नन्दनाय नमः** — प्रसन्न करने वाले

५२८ **ॐ नन्दाय नमः** — परम समृद्ध

५२९ **ॐ सत्यधर्मने नमः** — सत्य धर्म के धारक

५३० **ॐ त्रिविक्रमाय नमः** — तीनों लोकों को नापने वाले

५३१ **ॐ महर्षिः कपिलाचार्याय नमः** — सांख्य दर्शन के प्रणेता

५३२ **ॐ कृतज्ञाय नमः** — कृतज्ञ

५३३ **ॐ मेदिनीपतये नमः** — पृथ्वी के स्वामी

५३४ **ॐ त्रिपदाय नमः** — तीन पग वाले

५३५ **ॐ त्रिदशाध्यक्षाय नमः** — देवताओं के स्वामी

५३६ **ॐ महाशृंगाय नमः** — महान सींग वाले मत्स्य अवतार

५३७ **ॐ कृतान्तकृते नमः** — काल के विनाशक

५३८ **ॐ महावराहाय नमः** — महान वराह अवतार

५३९ **ॐ गोविन्दाय नमः** — गौ और वेदों के ज्ञाता

५४० **ॐ सुषेणाय नमः** — दिव्य सेना वाले

५४१ **ॐ कनकांगदिने नमः** — स्वर्ण बाजूबंद धारी

५४२ **ॐ गुह्याय नमः** — रहस्यमय अगोचर

५४३ **ॐ गभीराय नमः** — अगाध गंभीर

५४४ **ॐ गहनाय नमः** — अगाध रहस्य

५४५ **ॐ गुप्ताय नमः** — रहस्य रूप में छिपा हुआ

५४६ **ॐ चक्रगदाधराय नमः** — चक्र और गदा धारी

५४७ **ॐ वेधने नमः** — विधाता सृष्टिकर्ता

५४८ **ॐ स्वांगाय नमः** — सुन्दर दिव्य अंग वाले

५४९ **ॐ अजिताय नमः** — अजेय

५५० **ॐ कृष्णाय नमः** — आनंद स्वरूप

५५१ **ॐ दृढाय नमः** — निश्चय संकल्प

५५२ **ॐ संकर्षणोऽच्युताय नमः** — संकर्षण और अच्युत रूप

५५३ **ॐ वरुणाय नमः** — वरुण देव रूप नियंत्रक

५५४ **ॐ वारुणाय नमः** — वरुण के पुत्र रूप

५५५ **ॐ वृक्षाय नमः** — कल्पवृक्ष स्वरूप

५५६ **ॐ पुष्कराक्षाय नमः** — कमल नयन

५५७ **ॐ महामनने नमः** — विशाल मन वाले

५५८ **ॐ भगवते नमः** — षडैश्वर्य सम्पन्न

५५९ **ॐ भगहने नमः** — ऐश्वर्य का लय करने वाले

५६० **ॐ आनन्दिने नमः** — आनंद देने वाले

५६१ **ॐ वनमालिने नमः** — वनमाला धारी

५६२ **ॐ हलायुधाय नमः** — हल धारी बलराम रूप

५६३ **ॐ आदित्याय नमः** — सूर्य स्वरूप

५६४ **ॐ ज्योतिरादित्याय नमः** — तेजस्वी सूर्य

५६५ **ॐ सहिष्णवे नमः** — क्षमाशील

५६६ **ॐ गतिसत्तमाय नमः** — सर्वोच्च आश्रय

५६७ **ॐ सुधन्वने नमः** — दिव्य धनुष धारी

५६८ **ॐ खण्डपरशवे नमः** — परशुराम अवतार

५६९ **ॐ दारुणाय नमः** — भयानक दण्डदाता

५७० **ॐ द्रविणप्रदाय नमः** — धन और ज्ञान दाता

५७१ **ॐ दिविस्पृक् नमः** — आकाश को छूने वाले

५७२ **ॐ सर्वदृग्व्यासाय नमः** — ज्ञान का विस्तार करने वाले

५७३ **ॐ वाचस्पतिरयोनिजाय नमः** — अयोनिज वाणी के स्वामी

५७४ **ॐ त्रिसामने नमः** — तीनों सामवेदों द्वारा प्रशंसित

५७५ **ॐ सामगाय नमः** — सामगान करने वाले

५७६ **ॐ साम नमः** — सामवेद स्वरूप

५७७ **ॐ निर्वाणाय नमः** — परम मोक्ष रूप

५७८ **ॐ भेषजाय नमः** — भवसागर की दवा

५७९ **ॐ भिषक् नमः** — परम वैद्य

५८० **ॐ संन्यासकृते नमः** — वैराग्य के प्रवर्तक

५८१ **ॐ शमाय नमः** — मन की शांति रूप

५८२ **ॐ शान्ताय नमः** — परम शांत

५८३ **ॐ निष्ठने नमः** — अंतिम आश्रय स्थिति

५८४ **ॐ शान्तये नमः** — शांति स्वरूप

५८५ **ॐ परायणाय नमः** — सर्वोच्च आश्रय स्थल

५८६ **ॐ शुभांगाय नमः** — सुन्दर कल्याणकारी विग्रह

५८७ **ॐ शान्तिदाय नमः** — शांतिदाता

५८८ **ॐ स्रष्ट्रे नमः** — सृष्टिकर्ता

५८९ **ॐ कुमुदाय नमः** — पृथ्वी को आनंद देने वाले

५९० **ॐ कुवलेशयाय नमः** — शेषनाग शय्या पर सोने वाले

५९१ **ॐ गोहिताय नमः** — गौ व पृथ्वी के हितैषी

५९२ **ॐ गोपतये नमः** — पृथ्वी व गौ के स्वामी

५९३ **ॐ गोप्त्रे नमः** — परम रक्षक

५९४ **ॐ वृषभाक्षाय नमः** — धर्म रूपी नेत्र वाले

५९५ **ॐ वृषप्रियाय नमः** — धर्म प्रेमी

५९६ **ॐ अनिवर्तिणे नमः** — युद्ध से पीछे न हटने वाले

५९७ **ॐ निवृत्तात्मने नमः** — सांसारिक बंधनों से मुक्त

५९८ **ॐ संक्षेप्त्रे नमः** — सृष्टि का संकोच करने वाले

५९९ **ॐ क्षेमकृते नमः** — कुशल क्षेम करने वाले

६०० **ॐ शिवाय नमः** — कल्याणकारी

६०१ **ॐ श्रीवत्सवक्षने नमः** – श्रीवत्स चिह्न धारी

६०२ **ॐ श्रीवासाय नमः** – लक्ष्मी के निवास स्थान

६०३ **ॐ श्रीपतये नमः** – लक्ष्मीपति

६०४ **ॐ श्रीमतांवराय नमः** – वैभवशालियों में श्रेष्ठ

६०५ **ॐ श्रीदाय नमः** – समृद्धिदाता

६०६ **ॐ श्रीशाय नमः** – लक्ष्मी के स्वामी

६०७ **ॐ श्रीनिवासाय नमः** – लक्ष्मी के वास

६०८ **ॐ श्रीनिधये नमः** – समृद्धि का भण्डार

६०९ **ॐ श्रीविभावनाय नमः** – वैभव प्रकट करने वाले

६१० **ॐ श्रीधराय नमः** – लक्ष्मी को धारण करने वाले

६११ **ॐ श्रीकराय नमः** – कल्याण करने वाले

६१२ **ॐ श्रेयाय नमः** – कल्याण स्वरूप मोक्ष

६१३ **ॐ श्रीमते नमः** – लक्ष्मीपति

६१४ **ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः** – तीनों लोकों के आश्रय

६१५ **ॐ स्वक्षाय नमः** – सुन्दर नेत्र वाले

६१६ **ॐ स्वंगाय नमः** – सुन्दर दिव्य अंग वाले

६१७ **ॐ शतानन्दाय नमः** – अनंत आनंद रूप

६१८ **ॐ नन्दये नमः** – परम आनंद रूप

६१९ **ॐ ज्योतिर्गणेश्वराय नमः** – नक्षत्रों के स्वामी

६२० **ॐ विजितात्मने नमः** – मन को जीतने वाले

६२१ **ॐ विधेयात्मने नमः** — भक्तों के वश में होने वाले

६२२ **ॐ सत्कीर्तये नमः** — सच्ची कीर्ति वाले

६२३ **ॐ छिन्नसंशयाय नमः** — संदेह दूर करने वाले

६२४ **ॐ उदीर्णाय नमः** — सर्वोच्च उत्कृष्ट

६२५ **ॐ सर्वतश्चक्षवे नमः** — सब ओर नेत्र वाले

६२६ **ॐ अनीशाय नमः** — जिसका कोई स्वामी न हो

६२७ **ॐ शाश्वतस्थिराय नमः** — नित्य स्थिर

६२८ **ॐ भूशयाय नमः** — भूमि पर शयन करने वाले

६२९ **ॐ भूषणाय नमः** — सृष्टि की शोभा

६३० **ॐ भूतये नमः** — वैभव स्वरूप

६३१ **ॐ विशोकाय नमः** — शोकरहित

६३२ **ॐ शोकनाशनाय नमः** — शोक दूर करने वाले

६३३ **ॐ अर्चिष्मते नमः** — तेजस्वी प्रकाश वाले

६३४ **ॐ अर्चिताय नमः** — पूजनीय सर्वपूजित

६३५ **ॐ कुम्भाय नमः** — घट घट वासी

६३६ **ॐ विशुद्धात्मने नमः** — परम शुद्ध आत्मा

६३७ **ॐ विशोधनाय नमः** — पवित्र करने वाले

६३८ **ॐ अनिरुद्धाय नमः** — अजेय

६३९ **ॐ अप्रतिरथाय नमः** — जिसका कोई प्रतिद्वंद्वी न हो

६४० **ॐ प्रद्युम्नाय नमः** — परम धनवान व कामदेव रूप

६४१ **ॐ अमितविक्रमाय नमः** — असीम पराक्रमी

६४२ **ॐ कालनेमिनिहने नमः** — कालनेमि का वध करने वाले

६४३ **ॐ वीराय नमः** — पराक्रमी

६४४ **ॐ शौरये नमः** — शूरवंशज

६४५ **ॐ शूरजनेश्वराय नमः** — वीरों के स्वामी

६४६ **ॐ त्रिलोकात्मने नमः** — तीनों लोकों की आत्मा

६४७ **ॐ त्रिलोकेशाय नमः** — तीनों लोकों के स्वामी

६४८ **ॐ केशवाय नमः** — मधुसूदन

६४९ **ॐ केशिहने नमः** — केशी का वध करने वाले

६५० **ॐ हरये नमः** — पाप हरने वाले

६५१ **ॐ कामदेवाय नमः** — परम कामना योग्य

६५२ **ॐ कामपालाय नमः** — कामना पूर्ति के रक्षक

६५३ **ॐ कामिने नमः** — पूर्ण काम

६५४ **ॐ कान्ताय नमः** — परम सुन्दर

६५५ **ॐ कृतागमाय नमः** — शास्त्रों के रचयिता

६५६ **ॐ अनिर्देश्यवपवे नमः** — अवर्णनीय रूप

६५७ **ॐ विष्णवे नमः** — सर्वव्यापक

६५८ **ॐ वीराय नमः** — पराक्रमी

६५९ **ॐ अनन्ताय नमः** — असीम अनंत

६६० **ॐ धनञ्जयाय नमः** — अर्जुन रूप धनंजय

६६१ **ॐ ब्रह्मण्याय नमः** — ब्राह्मण व ज्ञान के रक्षक

६६२ **ॐ ब्रह्मकृते नमः** — सृष्टि ज्ञान प्रकट करने वाले

६६३ **ॐ ब्रह्मने नमः** — ब्रह्मा रूप सृष्टिकर्ता

६६४ **ॐ ब्रह्म नमः** — तप व ज्ञान को बढ़ाने वाले

६६५ **ॐ ब्रह्मविवर्धनाय नमः** — ब्रह्मज्ञान के ज्ञाता

६६६ **ॐ ब्रह्मविद् नमः** — वेद ज्ञान स्वरूप

६६७ **ॐ ब्राह्मणाय नमः** — ब्रह्म चेतना के स्वामी

६६८ **ॐ ब्रह्मिणे नमः** — ब्रह्म को जानने वाले

६६९ **ॐ ब्रह्मज्ञाय नमः** — संत पुरुषों के प्रिय

६७० **ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः** — परब्रह्म परमात्मा

६७१ **ॐ महाक्रमाय नमः** — विशाल डग वाले

६७२ **ॐ महाकर्मने नमः** — महान कर्म करने वाले

६७३ **ॐ महातेजने नमः** — परम तेजस्वी

६७४ **ॐ महोरगाय नमः** — महान नाग रूप शेषनाग

६७५ **ॐ महाक्रतवे नमः** — महान यज्ञ संकल्प

६७६ **ॐ महायज्वने नमः** — महान यज्ञ करने वाले

६७७ **ॐ महायज्ञाय नमः** — सर्वश्रेष्ठ यज्ञ

६७८ **ॐ महाहवये नमः** — महान आहुति रूप

६७९ **ॐ स्तव्याय नमः** — स्तुति करने योग्य

६८० **ॐ स्तवप्रियाय नमः** — स्तुति प्रिय

६८१ **ॐ स्तोत्राय नमः** — स्तुति मन्त्र रूप

६८२ **ॐ स्तुतये नमः** — प्रशंसा क्रिया

६८३ **ॐ स्तोत्रे नमः** — स्तुति करने वाले स्वयं

६८४ **ॐ रणप्रियाय नमः** — धर्म युद्ध प्रेमी

६८५ **ॐ पूर्णाय नमः** — परम पूर्ण

६८६ **ॐ पूरयित्रे नमः** — सबको पूर्ण करने वाले

६८७ **ॐ पुण्याय नमः** — परम पवित्रता रूप

६८८ **ॐ पुण्यकीर्तये नमः** — पवित्र कीर्ति वाले

६८९ **ॐ अनामयाय नमः** — रोगरहित

६९० **ॐ मनोजवाय नमः** — मन के समान तीव्र गति वाले

६९१ **ॐ तीर्थकराय नमः** — तीर्थ व शास्त्रों के रचयिता

६९२ **ॐ वसुरेत्रे नमः** — स्वर्ण रूपी वीर्य वाले

६९३ **ॐ वसुप्रदाय नमः** — धन और समृद्धि दाता

६९४ **ॐ वसुप्रदाय नमः** — धन और समृद्धि दाता

६९५ **ॐ वासुदेवाय नमः** — सर्वव्यापी प्रभु

६९६ **ॐ वसवे नमः** — सर्वनिवास

६९७ **ॐ वसुमनने नमः** — उदार मन वाले

६९८ **ॐ हवये नमः** — आहुति द्रव्य रूप

६९९ **ॐ सद्गतये नमः** — सज्जनों का परम लक्ष्य

७०० **ॐ सत्कृतये नमः** — उत्कृष्ट क्रिया रूप

७०१ **ॐ सत्ते नमः** — परम सत्ता अस्तित्व

७०२ **ॐ सद्भूतये नमः** — सच्चा वैभव

७०३ **ॐ सत्परायणाय नमः** — सत्य के परम आश्रय

७०४ **ॐ शूरसेनाय नमः** — वीर सेना वाले

७०५ **ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः** — यदुवंशियों में श्रेष्ठ

७०६ **ॐ सन्निवासाय नमः** — सज्जनों के निवास

७०७ **ॐ सुयामुनाय नमः** — यमुना तट लीलाधारी

७०८ **ॐ भूतावासाय नमः** — समस्त प्राणियों के आश्रय

७०९ **ॐ वासुदेवाय नमः** — सर्वव्यापी प्रभु

७१० **ॐ सर्वासुनिलयाय नमः** — समस्त प्राणों के आधार

७११ **ॐ अनलाय नमः** — अग्नि स्वरूप अग्नि

७१२ **ॐ दर्पहने नमः** — अहंकार का विनाश करने वाले

७१३ **ॐ दर्पदाय नमः** — सज्जनों को आत्मगौरव देने वाले

७१४ **ॐ दृप्ताय नमः** — परम आनंद मग्न

७१५ **ॐ दुर्धराय नमः** — धारण करने में कठिन

७१६ **ॐ अपराजिताय नमः** — अजेय

७१७ **ॐ विश्वमूर्तये नमः** — विश्व रूप विग्रह

७१८ **ॐ महामूर्तये नमः** — विशाल दिव्य मूर्ति वाले

७१९ **ॐ दीप्तमूर्तये नमः** — प्रकाशमान तेजस्वी मूर्ति वाले

७२० **ॐ अमूर्तिमते नमः** — निराकार तत्व

७२१ **ॐ अनेकमूर्तये नमः** — अनेक रूपों वाले

७२२ **ॐ अव्यक्ताय नमः** — अव्यक्त अगोचर

७२३ **ॐ शतमूर्तये नमः** — सौ रूपों वाले

७२४ **ॐ शताननाय नमः** — सौ मुख वाले

७२५ **ॐ एकाय नमः** — अद्वैत सत्य

७२६ **ॐ नैकाय नमः** — अनेक रूप प्रपंच

७२७ **ॐ सवाय नमः** — यज्ञ रूप सोम रस

७२८ **ॐ काय नमः** — आनंद स्वरूप परमात्मा

७२९ **ॐ किाय नमः** — परम खोज लक्ष्य

७३० **ॐ यते नमः** — जो प्रत्यक्ष सत्य है

७३१ **ॐ तते नमः** — वह परोक्ष सत्य

७३२ **ॐ पदमनुत्तमाय नमः** — सर्वोच्च परम पद

७३३ **ॐ लोकबन्धवे नमः** — जगत के सच्चे भाई

७३४ **ॐ लोकनाथाय नमः** — लोकों के स्वामी

७३५ **ॐ माधवाय नमः** — लक्ष्मीपति

७३६ **ॐ भक्तवत्सलाय नमः** — भक्तों से स्नेह करने वाले

७३७ **ॐ सुवर्णवर्णाय नमः** — स्वर्ण के समान कांति वाले

७३८ **ॐ हेमांगाय नमः** — स्वर्ण जैसी देह वाले

७३९ **ॐ वरांगाय नमः** — सुन्दर दिव्य विग्रह वाले

७४० **ॐ चन्दनांगदिने नमः** — चन्दन लेपित बाजूबंद धारी

७४१ **ॐ वीरहने नमः** — दुष्टों के विनाशक

७४२ **ॐ विषमाय नमः** — अतुलनीय अद्वितीय

७४३ **ॐ शून्याय नमः** — गुणों से परे निर्गुण

७४४ **ॐ घृताशिने नमः** — आहुति ग्रहण करने वाले

७४५ **ॐ अचलाय नमः** — स्थिर पर्वत रूप अचल

७४६ **ॐ चलाय नमः** — वायु रूप गति चक्र

७४७ **ॐ अमानिने नमः** — अहंकार रहित

७४८ **ॐ मानदाय नमः** — दूसरों को मान देने वाले

७४९ **ॐ मान्याय नमः** — परम आदरणीय

७५० **ॐ लोकस्वामिने नमः** — ब्रह्मांड के स्वामी

७५१ **ॐ त्रिलोकधृक् नमः** — तीनों लोकों को धारण करने वाले

७५२ **ॐ सुमेधने नमः** — उत्कृष्ट बुद्धि वाले

७५३ **ॐ मेधजाय नमः** — यज्ञ से प्रकट होने वाले

७५४ **ॐ धन्याय नमः** — परम कृतार्थ

७५५ **ॐ सत्यमेधने नमः** — सत्य संकल्प बुद्धि वाले

७५६ **ॐ धराधराय नमः** — पृथ्वी को सहारा देने वाले

७५७ **ॐ तेजोवृषाय नमः** — किरणों व ऊर्जा की वर्षा करने वाले

७५८ **ॐ द्युतिधराय नमः** — तेज और आभा को धारण करने वाले

७५९ **ॐ सर्वशस्त्रभृतांवराय नमः** — समस्त अस्त्र-शस्त्र धारियों में श्रेष्ठ

७६० **ॐ प्रग्रहाय नमः** — इन्द्रियों को नियंत्रित करने वाले

७६१ **ॐ निग्रहाय नमः** — सबको संयम में रखने वाले

७६२ **ॐ व्यग्राय नमः** — सृष्टि रचना में सदा तत्पर

७६३ **ॐ नैकश्रृंगाय नमः** — चार सींगों वाले अवतार रूप

७६४ **ॐ गदाग्रजाय नमः** — गद के बड़े भाई रूप कृष्ण

७६५ **ॐ चतुर्मूर्तये नमः** — चार दिव्य रूपों वाले

७६६ **ॐ चतुर्बाहवे नमः** — चतुर्भुजधारी

७६७ **ॐ चतुर्व्यूहाय नमः** — चार व्यूहों वाले

७६८ **ॐ चतुर्गतये नमः** — चारों पुरुषार्थों के परम लक्ष्य

७६९ **ॐ चतुरात्मने नमः** — चार रूपों वाले

७७० **ॐ चतुर्भावाय नमः** — चारों अवस्थाओं के उत्पत्ति स्थान

७७१ **ॐ चतुर्वेदविद् नमः** — चारों वेदों के पूर्ण ज्ञाता

७७२ **ॐ एकपाते नमः** — एक चरण वाले विराट रूप

७७३ **ॐ समावर्ताय नमः** — संसार चक्र को कुशलता से घुमाने वाले

७७४ **ॐ निवृत्तात्मने नमः** — सांसारिक बंधनों से मुक्त

७७५ **ॐ दुर्जयाय नमः** — जीतने में अत्यंत कठिन

७७६ **ॐ दुरतिक्रमाय नमः** — जिसकी आज्ञा टाली न जा सके

७७७ **ॐ दुर्लभाय नमः** — परम भक्ति से प्राप्य

७७८ **ॐ दुर्गमाय नमः** — कठिनाई से जानने योग्य

७७९ **ॐ दुर्गाय नमः** — संकटों से रक्षा करने वाले अभेद्य

७८० **ॐ दुरावासाय नमः** — कठिन ध्यान धारणा के लक्ष्य

७८१ **ॐ दुरारिहने नमः** — दुष्ट शत्रुओं का नाश करने वाले

७८२ **ॐ शुभांगाय नमः** — सुन्दर कल्याणकारी विग्रह

७८३ **ॐ लोकसारंगाय नमः** — संसार के सार तत्व रूप ग्राही

७८४ **ॐ सुतन्तवे नमः** — सृष्टि रूपी सुन्दर तन्तु वाले

७८५ **ॐ तन्तुवर्धनाय नमः** — सृष्टि विस्तार के सूत्रधार

७८६ **ॐ इन्द्रकर्मने नमः** — इन्द्र के समान महान कर्म करने वाले

७८७ **ॐ महाकर्मने नमः** — महान कर्म करने वाले

७८८ **ॐ कृतकर्मने नमः** — समस्त कार्यों को पूर्ण करने वाले

७८९ **ॐ कृतागमाय नमः** — शास्त्रों के रचयिता

७९० **ॐ उद्भवाय नमः** — उत्पत्ति स्थान

७९१ **ॐ सुन्दराय नमः** — परम मनोहर सुन्दर

७९२ **ॐ सुन्दाय नमः** — करुणा आर्द्र दयालु

७९३ **ॐ रत्ननाभाय नमः** — रत्न जैसी नाभि वाले

७९४ **ॐ सुलोचनाय नमः** — सुन्दर दिव्य दृष्टि वाले

७९५ **ॐ अर्काय नमः** — पूजनीय सूर्य तेज रूप

७९६ **ॐ वाजसनाय नमः** — अन्न और जीवन शक्ति प्रदाता

७९७ **ॐ श्रृंगिणे नमः** — श्रृंग धारी वराह-मत्स्य रूप

७९८ **ॐ जयन्ताय नमः** — सर्वविजेता अजेय

७९९ **ॐ सर्वविज्जयिणे नमः** — सब कुछ जानने वाले विजयी

८०० **ॐ सुवर्णबिन्दवे नमः** — स्वर्ण अक्षरों वाले दिव्य रूप

८०१ **ॐ अक्षोभ्याय नमः** — कभी विचलित न होने वाले

८०२ **ॐ सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः** — वाणी के समस्त स्वामियों के स्वामी

८०३ **ॐ महाह्रदाय नमः** — आनंद का विशाल सरोवर

८०४ **ॐ महागर्ताय नमः** — विशाल माया गर्त रूप

८०५ **ॐ महाभूताय नमः** — पंचमहाभूतों के परम सत्य रूप

८०६ **ॐ महानिधये नमः** — परम अविनाशी खजाना

८०७ **ॐ कुमुदाय नमः** — पृथ्वी को आनंद देने वाले

८०८ **ॐ कुन्दराय नमः** — धरती को शुद्ध करने वाले

८०९ **ॐ कुन्दाय नमः** — कुन्द पुष्प के समान श्वेत

८१० **ॐ पर्जन्याय नमः** — आनंद वर्षा करने वाले मेघ

८११ **ॐ पावनाय नमः** — पवित्र करने वाले

८१२ **ॐ अनिलाय नमः** — वायु स्वरूप

८१३ **ॐ अमृतांशाय नमः** — अमृत मय चन्द्र कला रूप

८१४ **ॐ अमृतवपवे नमः** — अमृत मय दिव्य देह वाले

८१५ **ॐ सर्वज्ञाय नमः** — सबके ज्ञाता

८१६ **ॐ सर्वतोमुखाय नमः** — सब ओर मुख वाले सर्वव्यापी

८१७ **ॐ सुलभाय नमः** — भक्ति से सरलता से प्राप्य

८१८ **ॐ सुव्रताय नमः** — सत्य व्रत वाले

८१९ **ॐ सिद्धाय नमः** — परम सिद्ध

८२० **ॐ शत्रुजिते नमः** — शत्रुओं को पूर्णतः जीतने वाले

८२१ **ॐ शत्रुतापनाय नमः** — शत्रुओं को संताप देने वाले

८२२ **ॐ न्यग्रोधाय नमः** — वटवृक्ष के समान छाया रूप

८२३ **ॐ उदुम्बराय नमः** — पोषण प्रदाता अन्न रूप

८२४ **ॐ अश्वत्थाय नमः** — पीपल वृक्ष रूप नित्य परिवर्तनशील

८२५ **ॐ चाणूरान्ध्रनिषूदनाय नमः** — चाणूर राक्षस के संहारक

८२६ **ॐ सहस्रार्चये नमः** — सहस्र किरणों वाले अग्नि-सूर्य

८२७ **ॐ सप्तजिह्वाय नमः** — अग्नि की सात जीभों वाले रूप

८२८ **ॐ सप्तैधने नमः** — सात समिधाओं द्वारा पूजित

८२९ **ॐ सप्तवाहनाय नमः** — सात घोड़ों के सूर्य रथ वाले

८३० **ॐ अमूर्तये नमः** — आकार रहित निराकार तत्व

८३१ **ॐ अनघाय नमः** — पापरहित

८३२ **ॐ अचिन्त्याय नमः** — चिन्तन से परे

८३३ **ॐ भयकृते नमः** — दुष्टों में भय पैदा करने वाले

८३४ **ॐ भयनाशनाय नमः** — भय दूर करने वाले

८३५ **ॐ अणवे नमः** — अति सूक्ष्म अणु रूप

८३६ **ॐ बृहते नमः** — महान विशाल विराट

८३७ **ॐ कृशाय नमः** — सूक्ष्म रूप विरहित

८३८ **ॐ स्थूलाय नमः** — विराट स्थूल रूप ब्रह्मांड

८३९ **ॐ गुणभृते नमः** — सृष्टि के गुणों के धारक

८४० **ॐ निर्गुणाय नमः** — गुणों से परे निर्गुण तत्व

८४१ **ॐ महते नमः** — सर्वश्रेष्ठ महान

८४२ **ॐ अधृताय नमः** — स्वयं सिद्ध बिना किसी सहारे के

८४३ **ॐ स्वधृताय नमः** — अपने आप में स्थित धारण कर्ता

८४४ **ॐ स्वास्याय नमः** — सुन्दर मुख वाले वेद वाचक

८४५ **ॐ प्राग्वंशाय नमः** — प्राचीनतम वंश मूल आधार

८४६ **ॐ वंशवर्धनाय नमः** — वंश की वृद्धि करने वाले

८४७ **ॐ भारभृते नमः** — सृष्टि का समस्त भार उठाने वाले

८४८ **ॐ कथिताय नमः** — वेद शास्त्रों में वर्णित

८४९ **ॐ योगिने नमः** — योग युक्त परम ध्यान मग्न

८५० **ॐ योगीशाय नमः** — योगियों के परम स्वामी

८५१ **ॐ सर्वकामदाय नमः** — समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाले

८५२ **ॐ आश्रमाय नमः** — परम विश्राम स्थल आश्रय

८५३ **ॐ श्रमणाय नमः** — संसार ताप को दूर करने वाले

८५४ **ॐ क्षामाय नमः** — परम शांत स्थिति

८५५ **ॐ सुपर्णाय नमः** — सुन्दर पंखों वाले

८५६ **ॐ वायुवाहनाय नमः** — वायु को चलाने वाले

८५७ **ॐ धनुर्धराय नमः** — श्री राम रूप धनुषधारी

८५८ **ॐ धनुर्वेदाय नमः** — शस्त्र विद्या ज्ञान रूप

८५९ **ॐ दण्डाय नमः** — परम दण्ड न्याय शासन

८६० **ॐ दमयित्रे नमः** — दुष्टों का दमन करने वाले

८६१ **ॐ दमाय नमः** — इन्द्रिय संयम रूप शक्ति

८६२ **ॐ अपराजिताय नमः** — अजेय

८६३ **ॐ सर्वसहाय नमः** — सब कुछ सहने वाले परम क्षमाशील

८६४ **ॐ नियन्त्रे नमः** — परम नियन्त्रक नियामक

८६५ **ॐ अनियमाय नमः** — नियमों से परे परम स्वतन्त्र

८६६ **ॐ अयमाय नमः** — मृत्यु व बन्धन से परे

८६७ **ॐ सत्त्ववते नमः** — परम बल और सत्त्व गुण संपन्न

८६८ **ॐ सात्त्विकाय नमः** — सत्त्व गुण स्वरूप परम सत्य

८६९ **ॐ सत्याय नमः** — परम सत्य

८७० **ॐ सत्यधर्मपरायणाय नमः** — सत्य और धर्म के परम आश्रय

८७१ **ॐ अभिप्रायाय नमः** — परम लक्ष्य चाहने योग्य

८७२ **ॐ प्रियार्हाय नमः** — प्रेम करने योग्य परम प्रिय

८७३ **ॐ अर्हाय नमः** — परम पूजनीय आराधना योग्य

८७४ **ॐ प्रियकृते नमः** — भक्तों का प्रिय करने वाले

८७५ **ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः** — प्रेम को बढ़ाने वाले

८७६ **ॐ विहायसगतये नमः** — आकाश मार्ग रूप मोक्ष गति

८७७ **ॐ ज्योतये नमः** — परम स्वयं प्रकाश ज्योति

८७८ **ॐ सुरुचये नमः** — उत्कृष्ट सुरुचि सुन्दर संकल्प

८७९ **ॐ हुतभुक् नमः** — यज्ञ आहुति ग्रहण करने वाले

८८० **ॐ विभवे नमः** — सर्वव्यापी स्वामी

८८१ **ॐ रवये नमः** — सूर्य रूप प्रकाशक

८८२ **ॐ विरोचनाय नमः** — विशेष रूप से चमकने वाले

८८३ **ॐ सूर्याय नमः** — सृष्टि प्रकाशक सूर्य

८८४ **ॐ सवित्रे नमः** — जगत उत्पादक रचयिता

८८५ **ॐ रविलोचनाय नमः** — सूर्य रूपी नेत्र वाले

८८६ **ॐ अनन्ताय नमः** — असीम अनंत

८८७ **ॐ हुतभुक् नमः** — यज्ञ आहुति ग्रहण करने वाले

८८८ **ॐ भोक्त्रे नमः** — भोक्ता

८८९ **ॐ सुखदाय नमः** — सुखदाता

८९० **ॐ नैकजाय नमः** — अनेक बार अवतार लेने वाले

८९१ **ॐ अग्रजाय नमः** — प्रथम प्रकट ज्येष्ठ

८९२ **ॐ अनिर्विण्णाय नमः** — उदासीनता रहित

८९३ **ॐ सदामर्षिणे नमः** — भक्तों की भूलों को क्षमा करने वाले

८९४ **ॐ लोकाधिष्ठानाय नमः** — लोकों के परम आधार स्थल

८९५ **ॐ अद्भुताय नमः** — परम विस्मयकारी आश्चर्य रूप

८९६ **ॐ सनाते नमः** — सनातन अनादि काल रूप

८९७ **ॐ सनातनतमाय नमः** — प्राचीनतम सनातन पुरुष

८९८ **ॐ कपिलाय नमः** — कपिल वर्ण अवतार रूप

८९९ **ॐ कपये नमः** — वाराह-सूर्य रूप उद्धारक

९०० **ॐ अव्ययाय नमः** — अविनाशी

९०१ **ॐ स्वस्तिदाय नमः** – कल्याणदाता मंगलदाता

९०२ **ॐ स्वस्तिकृते नमः** – कल्याण के रचयिता करने वाले

९०३ **ॐ स्वस्तये नमः** – कल्याण मंगल स्वरूप

९०४ **ॐ स्वस्तिभुक् नमः** – कल्याण और सुख के भोक्ता

९०५ **ॐ स्वस्तिदक्षिणाय नमः** – शीघ्र कल्याण करने वाले कुशल

९०६ **ॐ अरौद्राय नमः** – सौम्य शान्त क्रोधरहित

९०७ **ॐ कुण्डलिने नमः** – कुण्डल धारी शेषनाग स्वरूप

९०८ **ॐ चक्रिणे नमः** – सुदर्शन चक्र धारी

९०९ **ॐ विक्रमिणे नमः** – शौर्यवान

९१० **ॐ ऊर्जितशासनाय नमः** – महान अटल शासन वाले

९११ **ॐ शब्दातिगाय नमः** – शब्दों की सीमा से परे

९१२ **ॐ शब्दसहाय नमः** – वेद ध्वनियों को स्वीकार करने वाले

९१३ **ॐ शिशिराय नमः** – शीतल शान्ति प्रदाता ऋतू

९१४ **ॐ शर्वरीकराय नमः** – संसार रात्रि काल चक्र के कर्ता

९१५ **ॐ अक्रूराय नमः** – क्रूरता रहित दयालु शांत

९१६ **ॐ पेशलाय नमः** – अति सुकोमल सुन्दर मधुर

९१७ **ॐ दक्षाय नमः** – परम चतुर व कुशल

९१८ **ॐ दक्षिणाय नमः** – शत्रु नाशक उदार कुशल

९१९ **ॐ क्षमिणां वराय नमः** – क्षमाशीलों में सर्वश्रेष्ठ

९२० **ॐ विद्वत्तमाय नमः** – विद्वानों में श्रेष्ठ सर्वज्ञ

९२१ **ॐ वीतभयाय नमः** — भयरहित मुक्त

९२२ **ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः** — सुनने और कीर्तन में पवित्र

९२३ **ॐ उत्तारणाय नमः** — भवसागर से पार लगाने वाले

९२४ **ॐ दुष्कृतिहने नमः** — पापों और दुष्ट प्रवृत्तियों के नाशक

९२५ **ॐ पुण्याय नमः** — परम पवित्रता रूप

९२६ **ॐ दुःस्वप्ननाशनाय नमः** — बुरे स्वप्नों और भयों के नाशक

९२७ **ॐ वीरहने नमः** — दुष्टों के विनाशक

९२८ **ॐ रक्षणाय नमः** — रक्षा करने वाले रक्षक

९२९ **ॐ सन्ताय नमः** — सज्जन रूप परम सत्य सत्

९३० **ॐ जीवनाय नमः** — प्राणदाता जीवन आधार

९३१ **ॐ पर्यवस्थिताय नमः** — सब ओर व्याप्त पूर्ण सत्य

९३२ **ॐ अनन्तरूपाय नमः** — अनंत रूपों वाले विराट

९३३ **ॐ अनन्तश्रिये नमः** — अनंत लक्ष्मी वैभव संपन्न

९३४ **ॐ जितमन्यवे नमः** — क्रोध को जीतने वाले शांत

९३५ **ॐ भयापहाय नमः** — भय को दूर भगाने वाले

९३६ **ॐ चतुरश्राय नमः** — न्याय संगत चतुर सत्य विग्रह

९३७ **ॐ गभीरात्मने नमः** — अगाध गंभीर आत्मा

९३८ **ॐ विदिशाय नमः** — दिशाओं के भेद करने वाले व्यापक

९३९ **ॐ व्यादिशाय नमः** — विशेष आज्ञा देने वाले शासक

९४० **ॐ दिशाय नमः** — दिशा निर्देश वेद उपदेशक

९४१ **ॐ अनादये नमः** — शुरुआत रहित अनादि

९४२ **ॐ भूर्भुवाय नमः** — पृथ्वी और अंतरिक्ष के आधार

९४३ **ॐ लक्ष्म्यै नमः** — परम शोभा सौंदर्य ऐश्वर्य

९४४ **ॐ सुवीराय नमः** — उत्कृष्ट वीर पराक्रमी

९४५ **ॐ रुचिरांगदाय नमः** — सुन्दर केयूर बाजूबंद धारी

९४६ **ॐ जननाय नमः** — सबको पैदा करने वाले जनक

९४७ **ॐ जनजन्मादये नमः** — प्राणियों के जन्म के मूल कारण

९४८ **ॐ भीमाय नमः** — दुष्टों के लिए भयानक रूप

९४९ **ॐ भीमपराक्रमाय नमः** — भयानक पराक्रम शौर्य वाले

९५० **ॐ आधारनिलयाय नमः** — समस्त आधारों के मुख्य आधार

९५१ **ॐ अधात्रे नमः** — बिना किसी अन्य सहारे के स्वयं सिद्ध

९५२ **ॐ पुष्पहासाय नमः** — फूलों के खिलने जैसा दिव्य हास्य

९५३ **ॐ प्रजागराय नमः** — सदा पूर्ण जाग्रत चेतन

९५४ **ॐ ऊर्ध्वगाय नमः** — सर्वोच्च ऊपर गमन करने वाले गति

९५५ **ॐ सत्पथाचाराय नमः** — सदाचार मार्ग के प्रवर्तक रक्षक

९५६ **ॐ प्राणदाय नमः** — प्राणदाता

९५७ **ॐ प्रणवाय नमः** — ओंकार स्वरूप

९५८ **ॐ पणाय नमः** — व्यवहार संचालक परम नियामक

९५९ **ॐ प्रमाणाय नमः** — परम साक्ष्य

९६० **ॐ प्राणनिलयाय नमः** — प्राणों के विश्राम आश्रय स्थल

९६१ **ॐ प्राणभृते नमः** — प्राण शक्ति के पोषक धारक

९६२ **ॐ प्राणजीवनाय नमः** — प्राणों को जीवन देने वाले परम चेतना

९६३ **ॐ तत्त्वाय नमः** — परम परमार्थ सत्य तत्व

९६४ **ॐ तत्त्वविद् नमः** — तत्व को जानने वाले सत्य दृष्टा

९६५ **ॐ एकात्मने नमः** — अद्वितीय एक मात्र सत्य आत्मा

९६६ **ॐ जन्ममृत्युजरातिगाय नमः** — जन्म-मरण बुढ़ापे से परे नित्य

९६७ **ॐ भूर्भुवःस्वस्तरवे नमः** — तीनों लोकों को छाया देने वाले कल्पवृक्ष

९६८ **ॐ ताराय नमः** — तारक मन्त्र

९६९ **ॐ सवित्रे नमः** — जगत उत्पादक रचयिता

९७० **ॐ प्रपितामहाय नमः** — परदादा ब्रह्मा के भी जनक पिता

९७१ **ॐ यज्ञाय नमः** — यज्ञ स्वरूप

९७२ **ॐ यज्ञपतये नमः** — यज्ञ के स्वामी अधिपति

९७३ **ॐ यज्वने नमः** — यज्ञ करने वाले यजमान स्वयं

९७४ **ॐ यज्ञांगाय नमः** — यज्ञ के समस्त अंगों के स्वरूप

९७५ **ॐ यज्ञवाहनाय नमः** — यज्ञ फल को पहुंचाने वाले वाहक

९७६ **ॐ यज्ञभृते नमः** — यज्ञ की रक्षा और पोषण करने वाले

९७७ **ॐ यज्ञकृते नमः** — यज्ञ के प्रवर्तक प्रारंभ करने वाले

९७८ **ॐ यज्ञिने नमः** — यज्ञ के फल भोक्ता परम साक्षी

९७९ **ॐ यज्ञभुक् नमः** — यज्ञ भाग ग्रहण करने वाले परम भोक्ता

९८० **ॐ यज्ञसाधनाय नमः** — यज्ञ सिद्धि के मुख्य साधन उपाय

१८१ **ॐ यज्ञान्तकृते नमः** — यज्ञ पूर्णाहुति फल समाप्ति स्थल

१८२ **ॐ यज्ञगुह्याय नमः** — यज्ञ का गुप्त परम रहस्य आत्मज्ञान

१८३ **ॐ अन्नाय नमः** — भोग्य पदार्थ जीवन पोषण अन्न

१८४ **ॐ अन्नादाय नमः** — अन्न का उपभोग करने वाले भोक्ता

१८५ **ॐ आत्मयोनये नमः** — अपने आप के उत्पत्ति कारण स्वयं सिद्ध

१८६ **ॐ स्वयंजाताय नमः** — स्वयं प्रकट होने वाले अजन्मा

१८७ **ॐ वैखानाय नमः** — भूमि को खोदकर उद्धार करने वाले वराह

१८८ **ॐ सामगायनाय नमः** — सामवेद का मधुर गान करने वाले

१८९ **ॐ देवकीनन्दनाय नमः** — माता देवकी के पुत्र श्री कृष्ण

१९० **ॐ स्रष्ट्रे नमः** — सृष्टिकर्ता

१९१ **ॐ क्षितीशाय नमः** — पृथ्वी के सर्वोच्च राजा रक्षक

१९२ **ॐ पापनाशनाय नमः** — समस्त पापों का नाश करने वाले परम पावन

१९३ **ॐ शंखभृते नमः** — पाञ्चजन्य शंख धारण करने वाले

१९४ **ॐ नन्दकिने नमः** — नन्दक तलवार धारण करने वाले ज्ञान रूप

१९५ **ॐ चक्रिणे नमः** — सुदर्शन चक्र धारी

१९६ **ॐ शार्ङ्गधन्वने नमः** — शार्ङ्ग नामक दिव्य धनुष धारी

१९७ **ॐ गदाधराय नमः** — कौमोदकी गदा धारण करने वाले

१९८ **ॐ रथांगपाणये नमः** — हाथ में रथ का पहिया सुदर्शन चक्र धारी

१९९ **ॐ अक्षोभ्याय नमः** — कभी विचलित न होने वाले

१००० **ॐ सर्वप्रहरणायुधाय नमः** — समस्त शक्तियों को अस्त्र-शस्त्र बनाने वाले